लुधियाना, 25 सितंबर 2014 दैनिक जागरण

हिमाचली अंदाज का होगा ग्रीन अकाउंटिंग का परफार्मा

राज्य ब्यूरो, शिमला : ग्रीन अकाउंटिंग के लिए वाशिंगटन में विश्व बैंक की ओर से तैयार ओपनिंग स्टॉक व क्लोजिंग स्टॉक परफार्मा हिमाचल प्रदेश के लिए अनुकूल नहीं है। अगले सात दिन के भीतर वन विभाग के अधिकारियों की टीम परफार्मा तैयार करेगी। इसके बाद जिला मंडी में प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा।

- सात दिन के भीतर तैयार होंगे पांच फार्म

तीन दिवसीय सेमिनार के अंतिम दिन पायलट प्रोजेक्ट को सही दिशा में क्रियान्वित करने पर भी चर्चा हुई।

अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल सुरेंद्र कुमार ने कहा कि तकनीकी वर्किंग ग्रुप में वन, पर्यटन, पर्यावरण विभाग के अधिकारियों को शामिल किया गया है। प्रशिक्षण शिविर में आए अधिकारियों ने ग्रीन गणना के फार्मूले को समझा है। अब इसे आगे प्रयोग किया जाएगा। ग्रीन गणना में वनों का ओपनिंग स्टाक दर्ज होगा और वर्ष के अंत में कितना स्टाक रहा।

वनों का विस्तार हुआ या फिर कम हुए। इसके पीछे क्या कारण रहे। उनका कहना है कि राज्य आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की ओर से अधिकारी परियोजना में मदद करने के लिए साथ होंगे। कुल मिलाकर ग्रीन अकाउंटिंग परियोजना केंद्र सरकार के सांख्यिकी एवं परियोजना कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से क्रियान्वित हो रही है।

विश्व बैंक की वरिष्ठ पर्यावरण इकोनोमिस्ट उर्वशी नारायण, तकनीकी सलाहकार हरि प्रिया व विश्व बैंक प्राकृतिक संसाधन लेखा जुआन पबलो प्रदेश सरकार के अधिकारियों की मदद के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे।

(1)